मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 06 मई 2016

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमीतत्व / दिनांक	07/05/16	08/05/16	09/05/16	10/05/16	11/05/16
वर्षा (मि.मी.)	0	0	1	1	0
अधिकतमतापमान (°सेल्सियस)	38	39	39	39	40
न्यूनतमतापमान (°सेल्सियस)	27	27	28	28	28
बादलों कीस्थिति (ओक्टा)	2	1	4	3	2
सापेक्षिकआर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	40	42	48	44	42
सापेक्षिकआर्द्रता (प्रतिशत) शाम	26	24	28	26	20
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	16	15	14	14	12
हवा की दिशा	उत्तर–पश्चिम	उत्तर–पश्चिम	पश्चिम –उत्तर–पश्चिम	पश्चिम –उत्तर–पश्चिम	पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्ष सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
भिण्डी	फूल एंव फल	भिण्डी की फसल में पित शिरा मोजेक रोग के नियंत्रण के लिए डाइमेथोएट 30 ई. सी. एक मिली दवा का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
बेर	छंटाई	बेर की कटाई–छंटाई का उचित समय है। बेर में प्रति वर्ष कटाई छटाई करें क्यों कि कक्ष से जो नये प्ररोह निकलते हैं उन्ही पर फूल एवं फल लगते हैं।
जीरा	मृदा उपचार	जिन किसान भाईयों के पास सिंचाई की सुविधा है और आगामी रबी की फसल में जीरा लगाना चाहते है तो वह जीरे में लगने वाले उखटा रोग के उपचार के लिए तैयारी करें। जिस खेत में जीरा लगाना है उसमें सरसों की फलकटी 2.5 टन व 0. 5 टन सरसों की खली प्रति हेक्टर का भुरकाव करके हेरो निकाल कर एक पानी तेज गर्मी के समय दें यह कार्य तापमान अधिक होने पर करें। ताकि फलकटी व खल के सड़ने से जो गैस निकले उससे उखटा रोग की फंफूद खत्म हो जाएं।
पशु		इस मौसम में पशुओं में जल व लवण की कमी, भूख कम होना एवं उत्पादन में कमी गर्मी के प्रमुख प्रभाव होते हैं। अतः पशुओं को अत्यधिक धूप व लू से बचाएं।

(नौडल ऑफीसर)